D. El. Ed 1st Year (19-21)

dated: 08.06.20

College Name

Shakuntlam Institute Of Teacher's Education

302 (code)

Kirhindi, Shiosagar Road, Sasaram

Sub name - ICT (F-12)

By Sir - Deepak Kumar

unit-5 सीखने की योजना एवं विद्यालय के अन्य कार्य के साथ ICT का एकीकरण -

सीखने की योजना में online का प्रयोग कुछ इस प्रकार है कि ~~विद्यार्थियों~~ छात्रों को सीखने में बहुत ही सुविधा होती है।

1. BLOG

यह एक प्रकार के व्यक्तिगत website होते हैं जिन्हे डायरी की तरह लिखा जाता है। इनके

विषय लेख - सामान्य व विशेष दोनो प्रकार के होते है। Blog लिखने वाले को Blogger (चिट्ठाकार) कहते है। कई Blog किसी विशेष विषय से संबंधित होते है। ये Blog उस विषय से संबंधित समाचार, जानकारी, विचारो आदि से परिचित करवाते है। अधिकांश Blog मुख्य रूप से पाठ रूप मे होते है। कुछ Blog कलाजी (Art Blog), छाया चित्रो (Photography Blog), विडियो (Video Blog) आदि पर केन्द्रित होते है। यह निःशुल्क होता है और अपना लिखा पूरे विश्व के सामने तक पहुँचा सकता है। Blog पर राजनीतिक विचार, उत्पादो के विज्ञापन एवं शिक्षा का आदान प्रदान भी किया जा सकता है।

Blog के गुण :-

Blog के निम्नलिखित गुण है-

1. लेख के साथ video, चित्र, एवं श्रव्य सामग्रियो को देख एवं सुन सकने मे सहायक है।

2. शिक्षक एवं विशेषज्ञ अपने शोध एवं शिक्षण सामग्री को सार्वजनिक कर सकते है।

3. छात्र एवं अध्ययनकर्ता Blog के माध्यम से सूचनाओ को एकत्र कर सकते है।

4. प्रयोगकर्ता एवं प्रतिभागी अपने विचारो को प्रस्तुत कर सकते है।

Scanned by TapScanner

Blog के दोष

Blog के निम्नलिखित दोष है-

1. संचालन हेतु विद्युत एवं Internet की आवश्यकता।
2. अत्यधिक खर्चीला है।
3. आम व्यक्तियो के प्रयोग हेतु दुर्लभ है।

2. Electronic Library

Electronic library जैसा कि नाम से ही स्पष्ट है कि ऐसी library जिसमें Electronic माध्यम एवं स्त्रोतो के द्वारा अधिगम प्रदान किया जाता है तथा इस प्रकार कि library में सभी स्तर के अनुसार अधिगम सामग्री उपलब्ध रहती है। इसमें प्राथमिक स्तर से लेकर उच्च स्तर तक तथा अनुसंधानकर्ताओ के भी अध्ययन सामग्री उपलब्ध रहती है। E-library में नवीतम सूचनाए पूरी किताब के रूप में 7000 मिलियन से अधिक नक्शे में उपलब्ध है। कोई भी शिर्षक डालकर हम E-library के माध्यम से उससे संबंधित अनेक किताबो का विस्तृत वर्णन प्राप्त कर सकते है। इस तरह कि library में शिक्षार्थी की सक्रियता तथा अन्य तकनीकी अन्तःक्रिया पर बल दिया जाता है।

E-library के लाभ:- E-library के निम्न लाभ है।

1. E-library में C.D. Rom, D.V.D, Internet

mobile, computer का प्रयोग करने से छात्रों को यह अधिगम रोचक एवं स्थायी लगता है।

2. Electronic प्रकाशन सरल एवं सुविधाजनक होता है।

3. इसके द्वारा on line सम्प्रेषण की क्रिया सम्पादित होती है।

4. इसमें अध्ययनरत विद्यार्थियों का on-line Registration भी कराया जाता है।

5. E-library पठन सामग्री के नवीनीकरण में सहायक होता है।

E-library की सीमाए :-

E-library की सीमाए निम्न है-

1. इसमें प्रोत्साहन का अभाव रहता है।

2. इसका प्रयोग उन छोटे विद्यार्थियों के लिए घातक है जो अपनी जिम्मेदारी नहीं समझते है।

3. E-library का प्रयोग करने के लिए दक्ष प्रशिक्षकों की आवश्यकता पड़ती है जिनका अभाव है।

4. E-library के माध्यम से computer, laptop का प्रयोग किया जाता है। अतः इन तकनीकों में निपुण होना इसकी प्रथम अनिवार्यता है।